✓ Keybooks are freely available at our website http://www.ProgressPublishers.com

उत्तर पुस्तिका

भाषा माधुरी

4

प्रोग्रेस पब्लिशर्स
कृष्णा नगर, दिल्ली 110051

EMAIL : progresspublishers@gmail.com

1. सरस्वती वंदना

1. **वंदना की पंक्तियाँ पूरी कीजिए :**

(क) वीणा-वादिनि मातु सरस्वति,
नित्य आपका लेते नाम।
हंस-वाहिनी, ज्ञान-दायिनी,
बार-बार है तुम्हें प्रणाम।।

(ख) हो न कभी अभिमान अल्प भी,
सबको समझें सदा समान।
माता-पिता और गुरुओं का,
करते रहें सदा सम्मान।।

2. **प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

(क) इस गीत में माँ सरस्वती की वंदना की गई है।

(ख) हमें देश से प्रेम और मानव की सेवा करनी चाहिए।

(ग) हमें माता-पिता और गुरुओं के साथ अच्छा व्यवहार और उनका सम्मान करना चाहिए।

(घ) इस कविता में देश-प्रेम, मानव सेवा, दुखियों का दुख हरते समय तथा सत्य पर चलने में पग न डिगने की प्रार्थना की गई है।

3. **दिए गए वर्णों के उच्चारण में अंतर पहचान कर शुद्ध शब्द पर गोला लगाएँ :**

(राग)	सढ़क	शरस्वती	(शिक्षित)	षरण	भाब
ड़ाग	(सड़क)	(सरस्वती)	सिच्छित	(शरण)	(भाव)

4. **दिए गए शब्दों को शुद्ध करके आगे लिखें :**

अशुद्ध	**शुद्ध**	**अशुद्ध**	**शुद्ध**
घोढ़ा	घोड़ा	गणेष	गणेश
विबश	विवश	सुभाश	सुभाष
झाढ़ी	झाड़ी	रच्छा	रक्षा
किशान	किसान	षानदार	शानदार
धोवी	धोबी	बर्षा	वर्षा

दिए गए प्रत्येक संयुक्त वर्ण का दूसरा रूप रिक्त स्थान में लिखें -

ट्	+	ट	=	ट्ट	त्	+	त	=	त्त
ड्	+	ड	=	ड्ड	च्	+	च	=	च्च
द्	+	व	=	द्व	ह्	+	न	=	ह्न
क्	+	क	=	क्क	द्	+	य	=	द्य
द्	+	द	=	द्द	द्	+	ध	=	द्ध

2. भरोसा

1. **प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**

(क) गाय, घोड़ा, गधा और बकरी की आपस में मित्रता थी।

(ख) खरगोश अन्य पशुओं से मित्रता इसलिए करना चाहता था क्योंकि उसने सोचा गाय और बकरी अपने सींगो से, घोड़ा और गधा अपनी पीठ पर बैठा कर शिकारी कुत्तों से मेरी रक्षा कर सकते हैं।

(ग) बकरी ने खरगोश से कहा कि गाय के सींग अधिक बड़े हैं, उसके पास जाओ। मुझे तो खुद कुत्तों से डर लगता है।

(घ) गाय ने खरगोश को यह उत्तर दिया कि मैं विवश हूँ। मेरा घर जाने का समय हो गया है।

(ङ) घोड़ा खरगोश से बोला कि मैं रुक नहीं सकता, चढ़ना हो तो छलांग मारकर चढ़ जाओ।

2. **नीचे लिखे वाक्य किसने कब कहे:**

(क) गाय ने घर जाते समय कहा

(ख) घोड़े ने घर जाते समय कहा

(ग) खरगोश ने बकरी के पास जा कर कहा

(घ) गधे ने खरगोश के बैठने के लिए कहने पर कहा

3. **दिए गए शब्दों के विलोम शब्द चुन कर लिखिए:**

पालतू	जंगली	सायं	प्रात:
बलवान्	कमजोर	स्वामी	सेवक
मित्रता	शत्रुता	दूर	समीप
निर्भय	भयभीत	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण
पीछे	आगे	बाहर	अंदर
तेज	धीरे	अंधकार	प्रकाश

4. **दिए गए वाक्यों को शुद्ध करके लिखें:**

(क) मैं पाठ पढ़ता हूँ।

(ख) शिकारी कुत्ता आ रहा है।

(ग) एक खरगोश बड़ा प्रभावित हुआ।

(घ) घोड़े का उत्तर था।

(ङ) गाय घर पहुँच गई।

3. आधा वस्त्र

1. **प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**

(क) ऑवेबिले की पुत्रवधू ने अपने पति से कहा कि इस बूढ़े से कहो कहीं और जा कर रहे।

(ख) बुढ़ापे के कारण ऑवेबिले घर छोड़ कर नहीं जाना चाहता था।

(ग) अपने पिता को बूढ़ापे में घर से निकालने पर देने के लिए पोते ने आधा वस्त्र फाड़ कर रख लिया।

(घ) बालक की बात सुन कर पिता चकित रह गया और वह अपने पिता से माफी माँगने लगा।

2. **नीचे लिखे वाक्य किसने कब कहे:**

(क) व्यापारी ने आवेबिले से कहा

(ख) पुत्रवधू ने पति से बात करते समय कहा

(ग) आवेबिले ने घर से निकाले जाने की बात पर कहा

(घ) पोते ने दादा को आधा वस्त्र दिए जाते समय अपने पिता से कहा

3. **प्रत्येक वाक्य के आगे उसके प्रकार पर (✓) का चिह्न लगाइए:**

(क)	अकस्मात् ऑवेबिले की पत्नी बीमार हो गई।	साधारण
(ख)	मुझे अपने लिए कुछ नहीं चाहिए।	निषेधात्मक
(ग)	ऐसा अन्याय क्यों कर रहे हो?	प्रश्नवाचक

4. **नीचे लिखे मुहावरों के ठीक अर्थ चुनें और लिखें:**

(क) घर पर बहादुरी दिखाना

(ख) डर जाना

(ग) काम के लिए तैयार होना

(घ) विवश हो जाना

4. लोभ का फल

1. **प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**
   - (क) रत्ना तालाब के किनारे कंगन भूल आई थी।
   - (ख) पति पत्नी कंगन लेने अवश्य आएँगे, यह सोचकर शेर तालाब के किनारे बैठ गया।
   - (ग) शेर ने माधव को खाने के लिए दलदल से बाहर खींचा।
   - (घ) माधव की ऐसी दुर्दशा लोभ के कारण हुई।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति करें:**
   - (क) तालाब में अनेक **पशु** पानी-पीने आते थे।
   - (ख) उधर शेर तालाब के **किनारे** पहुँचा।
   - (ग) माधव का मन **लोभ** से भर गया।

3. **दिए गए संज्ञा शब्दों को उनके भेद के अनुसार तालिका में लिखिए:**

व्यक्तिवाचक	जातिवाचक	भाववाचक
राम	चाँदी	कठोरता
पेरिस	गेहूँ	हँसी
यमुना	चींटी	बुढ़ापा
पटना	पर्वत	मिलावट
शाहजहाँ	लोहा	मित्रता
लालकिला	मेला	चोरी
	हाथी	भलाई
	चिड़िया	पढ़ाई
	सिंह	मूर्खता

4. **नीचे दिए गए वाक्यों में प्रयुक्त संज्ञा शब्द व उनके भेद खाली स्थानों में लिखिए:**
   - (ख) मुझे अब बुढ़ापा आ गया है। बुढ़ापा, भाववाचक संज्ञा
   - (ग) मेरे पास सोने का एक कंगन है। कंगन, जातिवाचक संज्ञा
   - (घ) मैं किसी सुपात्र को दान करना चाहता हूँ। सुपात्र, जातिवाचक संज्ञा
   - (ङ) माधव दल-दल में धँसता चला गया। माधव, व्यक्तिवाचक संज्ञा

5. कबीर जी के दोहे

1. **प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**

(क) कोई काम कल पर इसलिए नहीं छोड़ना चाहिए क्योंकि न जाने कब मौका निकल जाए।

(ख) बड़ा व्यक्ति वह होता है जो दूसरों का भी सहयोग करता है।

(ग) दया से धर्म एवं लोभ से पाप होता है।

(घ) हमें ऐसी वाणी बोलनी चाहिए जो अपने एवं औरों के लिए सुखप्रद हो।

(ङ) दूसरों के लिए काँटे बोने से अपने को भी संकटों का सामना करना पड़ सकता है।

2. **दिए गए शीर्षक के अनुसार तीन-तीन शब्द लिखिए:**

व्यक्तिवाचक संज्ञा	रहीम	नानक	सूरदास
जातिवाचक संज्ञा	मंत्री	गाय	गीत
भाववाचक संज्ञा	खुशी	भूख	पवित्रता

3. **दिए गए वाक्यों को बहुवचन में बदलिए:**

(ख) पापी दूसरों को सताते हैं। (ग) शिष्य गुरू का आदर करते हैं।

(घ) साधूओं का सम्मान करो। (ङ) फूल डाली पर खिल रहे हैं।

6. हमारा भोजन

1. **प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**

(क) हरी सब्जियाँ से प्राप्त विटामिन रोगों से बचाते हैं।

(ख) फल स्वास्थ्य के लिए हितकर होते हैं।

(ग) दालों में प्रोटीन होते हैं।

(घ) दूध से दही, घी, पनीर, मक्खन, छाछ आदि बनता है।

(ङ) भोजन पौष्टिक, सुपाच्य एवं संतुलित होना चाहिए।

2. **रिक्त स्थान में उचित शब्द लिखें :**

(क) मक्खन को गरम करके **घी** बनाया जाता है।

(ख) पौष्टिक भोजन हमारे स्वास्थ्य के लिए **हितकारी** है।

(ग) फल और सब्जियों का मुरब्बा या **अचार** भी डाला जाता है।

4. **मोटे टाइप वाले शब्दों को स्त्रीलिंग में बदल कर उचित वाक्य बनाइए:**

(ख) **रानी** भोजन **करती** है। (ग) **लड़की** फल **खाती** है।

(घ) **मालिन** फूल **तोड़ती** है। (ङ) **देवी** प्रसन्न **होती** है।

5. **मोटे टाइप वाले शब्दों को पुल्लिंग में बदल कर उचित वाक्य बनाइए:**

(क) **अध्यापक** पढ़ा **रहा** है। (ख) **गायक गाता** है।

(ग) **बालक** खेल **रहा** है। (घ) **चूहा** छिप **गया** ।

7. निंदा का फल

1. **प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**

(क) उपवासी धनीराम जी द्वादशी को किसी ब्राह्मण अतिथि को भोजन कराने के बाद ही भोजन करते थे।

(ख) सेठ जी दो ब्राह्मणों के साथ घर पहुँचे ।

(ग) दोनों ब्राह्मणों ने सेठ जी के सामने एक दूसरे के लिए गधा और बैल कहा।

(घ) भोजन के समय नौकर ने पहले तिवारी जी के सामने भूसा और दुबे जी के सामने घास रखी ।

(ङ) सेठ जी ने अंत में दोनों पंडितों को समझाया कि परस्पर एक दूसरे की जड़ें काटने पर आपका दूसरों से सम्मान पाने की आशा करना व्यर्थ है।

2. **नीचे लिखे वाक्यों में आए क्रिया शब्दों के नीचे रेखाएँ लगा दें तथा रिक्त स्थान पर उसका भेद अकर्मक या सकर्मक लिख दें:**

वह केले खाता है। सकर्मक दर्जी कपड़े सिलता है। सकर्मक

दिनेश हँसता है। अकर्मक वह छत पर खड़ा है। अकर्मक

सीता रोती है। अकर्मक वह भोजन करता है। सकर्मक

3. **दिए गए वाक्य किस काल में हैं ? लिखिए:**

(ख) वर्तमानकाल (ग) भविष्यत्काल (घ) वर्तमानकाल

4. **दिए गए अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए:**

(क) दोनों ब्राह्मण भीतर गए।

(ख) मैं तिवारी हूँ और ये दुबे जी हैं।

(ग) वह शुद्ध होने के लिए स्नान करेंगे।

(घ) इसका फल अवश्य भोगना पड़ेगा।

8. प्यारा बचपन

1. **प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**

(क) छोटे-छोटे बच्चों की खेलने, खाने की चाह होती है।

(ख) बच्चों को माता हँस कर गले लगाती है।

(ग) मनचाहे काम रोने और मचलने से हो जाते हैं।

(घ) माँ ने बच्चे को थाल में पानी भर कर चाँद की परछायी दिखायी।

(ङ) बचपन हठीला होता है।

2. **पद्यांश पूर्ण कीजिए:**

(क) रोने और मचल जाने से,
हो जाते मन चाहे काम।
प्यारे-प्यारे मम्मी-पापा,
ला कर देते चीज तमाम॥

3. **दिए गए वर्णों को जोड़ कर भाववाचक संज्ञा बनाइए :**

(क) मित्रता (ख) शरारत (ग) बचपन (घ) भलाई

4. **विलोम शब्द लिखिए:**

चिंतित	अचिंतित	सरलता	कठिनाई
ज्ञान	अज्ञान	निर्भय	भयभीत
स्वतंत्र	परतंत्र	सुखी	दुखी

5. **खाली स्थानों में उचित सर्वनाम शब्द चुन कर लिखें:**

(क) छोटे-छोटे बच्चे हैं **हम**,
(ख) जाति-पाँति का ज्ञान **किसे** है?
(ग) चिंता रहित, मस्त **यह** जीवन,
(घ) **मैंने** माँगा चाँद एक दिन,
(ङ) देख शरारत मैया **मेरी**,

6. **दिए गए सर्वनाम शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए:**

(क) मैं जाता हूँ। (ख) हम दोनों मित्र हैं।
(ग) तुम झूठ मत बोलो। (घ) तुम्हारा मित्र मोहन है।
(ङ) आप ईश्वर पर विश्वास रखें। (च) वह सुंदर है।
(छ) वे पढ़ते हैं।

9. पर्यावरण

1. **प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**

(क) शर्मा जी का परिवार गाँव से आया था।
(ख) बसों, ट्रकों व अन्य वाहनों से प्रदूषण इनके धुएँ से फैलता है।
(ग) नदियों में गंदगी डालने से जल प्रदूषित हो जाता है।
(घ) प्रदूषण हटाने के लिए सरकार ने अलग मंत्रालय बनाया है, पर्यावरण में निरंतर सुधार के लिए प्रयत्नशील है ।

2. **खाली स्थान भर कर वाक्य पूरे करें :**

(क) यहाँ तो हर चौराहे पर **धुआँ ही धुआँ** है।
(ख) गाड़ियों से अधिक **धूल** उड़ती है।
(ग) रेडियो, टी.वी. की आवाज **धीमी** रखनी चाहिए।

3. **विशेषणों के लिए विशेष्य शब्द लिखिए:**

चौड़ी	सड़कें	बेचारे	गरीब
स्वच्छ	जल	सीधा	रोड
छायादार	पेड़	भूखा	मनुष्य
फलदार	वृक्ष	गहरा	गडढा

4. **विशेष्यों के लिए विशेषण शब्द लिखिए:**

विशाल	भवन	बहती	नदी
हरे-भरे	बगीचे	स्वच्छ	जल
सुंदर	वृक्ष	अधिक	शोर
चौड़ा	मैदान	दौड़ती	बसें

10. परोपकार

1. **प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**
   (क) जल बादल बरसाता है।
   (ख) वर्षा का जल नदियाँ ले जाती हैं।
   (ग) वृक्षों से हमें फल, फूल, छाया और शुद्ध वायु आदि मिलती है।
   (घ) दूध हमें बकरी, भैंस और गाएँ देती हैं।
   (ङ) बोझा खच्चर और गधे ढोते हैं।
2. **नीचे दिए गए शब्दों के आगे खाली स्थानों में समान अर्थ वाले शब्द चुन कर लिखिए:**

जल - पानी, वारि, नीर	घोड़ा - अश्व, बाजि, हय
अंबर - आसमान, आकाश, नभ	महिला - नारी, ललना, स्त्री
नदी - नीरा, सरिता, तटिनी	धरती - वसुधा, धरणी, पृथ्वी

11. कंप्यूटर

1. **प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**
   (क) पहला सरल कंप्यूटर जर्मन वैज्ञानिक ब्लेज पास्कल ने बनाया था।
   (ख) भारत में कंप्यूटर का प्रवेश सन् 1961 में हुआ था।
   (ग) कंप्यूटर लिखने, पढ़ने एवं जीवन के विविध क्षेत्रों में उपयोग में लाया जाता है ।
2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति करें:**
   (क) कंप्यूटर का नाम हिंदी में **परिकलक** दिया है।
   (ख) मॉनीटर पर दिखाई पड़ने वाली **विषय वस्तु** कागज पर छापी जा सकती है।

3. **कंप्यूटर से मिलने वाले लाभों की सूची बनाएँ:**

(क) कंप्यूटर से किसी भी विषय में मनोरंजनात्मक एवं ज्ञानवर्द्धक जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

(ख) कंप्यूटर की सहायता से हम हजारों मील दूर बैठे व्यक्ति के लिए लिखित विषय सामग्री भेज सकते हैं।

(ग) इसके प्रयोग से समय की बचत होती है।

12. समझदारी का लाभ

1. **प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**

(क) बीमार पड़ने के कारण सिंह की दशा दयनीय हो गई।

(ख) जंगल में समाचार गीदड़ ने फैलाया।

(ग) हाँ, गीदड़ ने अपना वायदा पूरा किया।

(घ) गुफा के द्वार से कुछ दूरी पर गीदड़ को पशुओं के गुफा में जाने के निशान दिखाई पड़े लेकिन वापस आने के नहीं।

(च) गीदड़ सिंह की बातों में इसलिए नहीं आया क्योंकि उसे डर था कि सिंह उसे भी खा जाएगा।

2. **घटना-क्रम बतलाइए:**

1. एक बार शेर बीमार पड़ गया।
2. सिंह की दशा दयनीय हो गई।
3. गीदड़ वहाँ एक क्षण भी नहीं रुका।
4. पशु कुशल-समाचार पूछने के लिए सिंह के पास पहुँचने लगे।
5. शिकार हाथ से निकलता देख कर सिंह परेशान हो उठा।
6. गीदड़ ने खतरा भाँप लिया था।

3. **नीचे दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखें:**

बीमार	स्वस्थ	सफलता	असफलता	आशा	निराशा
प्रकाश	अंधकार	धनी	निर्धन	उपकार	अपकार
कुशल	अकुशल	सरल	कठिन	परिश्रमी	आलसी

13. बल से बुद्धि महान्

1. **प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**

(क) विशालकर्ण ने हाथियों को बतलाया कि यहाँ से कुछ दूरी पर एक सरोवर है, उसका जल कभी समाप्त नहीं होता। आप सब रोज वहाँ जाकर अपनी इच्छानुसार पानी पी सकते हैं और नहा भी सकते हैं।

(ख) हाथियों के आने-जाने से खरगोश उनके भारी पैरों के नीचे दबकर मर जाते थे।

(ग) विजय ने विशालकर्ण को संदेश दिया कि भगवान् चंद्रमा आपके व्यवहार से क्षुब्ध हैं।

(घ) विशालकर्ण पर संदेश का यह प्रभाव पड़ा कि उसने स्वयं भगवान् चंद्रमा से क्षमा माँगी।

(ङ) विजय अपनी चाल में चतुराई से काम करने पर सफल हुआ।

2. **रेखांकित शब्दों के अर्थ चुनें और बताएँ :**

(क)	नहाने के पश्चात् हाथी मस्ती में भर जाते।	प्रसन्नता
(ख)	चंद्रमा आजकल आपके व्यवहार से क्षुब्ध हैं।	दु:खी
(ग)	विशालकर्ण ने ऐसा जानबूझ कर नहीं किया।	सोचसमझ कर

3. **नीचे लिखे तत्सम शब्दों को तद्भव शब्दों से रेखा खींच कर मिलाएँ:**

(क) हस्त → हाथ
(ख) दुग्ध → दूध
(ग) नख → नाखून
(घ) रात्रि → रात

14. अनोखा मंत्र

1. **प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**

(क) कुमार ने चबूतरा एक टीले पर सफाई करके बनाया था।

(ख) गाँव के सभी लोग सुबह जल्दी उठ कर सार्वजनिक कार्य में लग जाते थे।

(ग) मुखिया को गाँव वालों का अच्छा होना इसलिए बुरा लगा क्योंकि उसे गाँव वालों से जुर्माना नहीं मिलता था।

(घ) राजा ने कुमार को यह सजा सुनाई कि उसे हाथी के पाँवों के नीचे कुचलवा दिया जाए।

(ङ) कुमार ने राजा को यह मूल-मंत्र बताया कि हम कोई गलत काम नहीं करते हैं, कभी जीव-हत्या नहीं करते, कभी चोरी नहीं करते, कभी किसी को नहीं सताते, कभी झूठ नहीं बोलते और कभी शराब नहीं पीते।

2. **सही उत्तर पर (✓) चिह्न लगाइए:**

(क) कुमार एक समाज-सेवक था क्योंकि वह जनता की सेवा में लगा रहता था।

(ख) मुखिया गाँव वालों से चिढ़ गया था क्योंकि वह गाँव वालों का शत्रु था।

(ग) राजा ने अंत में सही फैसला किया क्योंकि राजा को मुखिया की असलियत मालूम हो गई थी।

3. **दिए गए वाक्यों से संज्ञा व सर्वनाम शब्द चुन कर दी गई तालिका में लिखें:**

संज्ञा	**सर्वनाम**
मुखिया, गाँव, लोगों,	सबके, कोई, हम,
राजा, हाथी, जंगलों	सबसे, सभी, हमारे

4. **लिंग परिवर्तन कीजिए:**

राजा	रानी	आदमी	औरत
हाथी	हथिनी	गाय	बैल

15. चेतक

1. **प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**
   - (क) चेतक राणा प्रताप का घोड़ा था।
   - (ख) इससे पहले कि कोड़ा लगे, चेतक दौड़ पड़ता था।
   - (ग) चेतक सब जगह दौड़ता दिखाई देता था।
   - (घ) घोड़ा वज्र की तरह, बादलों की तरह, पैर की टापों से शत्रु पर वार करता था।

2. **पद्यांश पूर्ण कीजिए:**

(क) जो तनिक हवा से बाग हिली,
ले कर सवार उड़ जाता था।
राणा की पुतली फिरी नहीं,
तब तक चेतक मुड़ जाता था।।

(ख) वह यहीं रहा, अब यहाँ नहीं,
वह वहीं रहा, पर वहाँ नहीं।
थी जगह न कोई जहाँ नहीं,
किस अरि-मस्तक पर कहाँ नहीं?

3. **दिए गए शब्दों में से रिक्त स्थान में अपनी सूझ-बूझ से उचित शब्द लिखिए:**

(1) अजर	(2) आस्तिक	(3) नास्तिक
(4) त्रैमासिक	(5) वार्षिक	(6) नवीन
(7) शराबी	(8) अन्यायी	(9) यसत्यवादी
(10) परिश्रमी		

4. **दिए गए शब्दों में से चुन कर पर्यायवाची शब्दों को लिखें:**

कमल	- पंकज, पद्म, इंदीवर	वृक्ष	- पेड़, तरु, विटप
घर	- गृह, सदन, निकेतन	चंद्रमा	- रजनीश, इंदु, शशि
पैर	- पाँव, चरण, पद	पहाड़	- गिरि, पर्वत, नग
नेत्र	- चक्षु, नयन, लोचन	पुष्प	- कुसुम, सुमन, प्रसून

16. सर चंद्रशेखर वेंकटरमण

1. **प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**

(क) रमण चौदह वर्ष की आयु में बी.ए. में प्रविष्ट हुए।

(ख) पढ़ते समय रमण का प्रथम लेख ङ्गआवाजङ्ख ङ्गफिलोसॉफिकल मैग्जीनङ्ख में छपा और दूसरा लेख ङ्घप्रकाश किरणङ्ख ङ्गनेचरङ्ख पत्रिका में छपा।

(ग) रमण जी को नोबल पुरस्कार 1930 में प्राप्त हुआ।

(घ) शांति के क्षेत्र में रमण जी को लेनिन पुरस्कार मिला।

2. **निर्देशानुसार लिख कर नया शब्द बनाइए:**

अ	+	भाव	=	अभाव	सम्मान	+	इत	=	सम्मानित
वि	+	शेष	=	विशेष	पशु	+	ता	=	पशुता
परा	+	जित	=	पराजित	हर्ष	+	इत	=	हर्षित
सु	+	वचन	=	सुवचन	मित्र	+	ता	=	मित्रता
नि	+	संदेह	=	निसंदेह	भारत	+	ईय	=	भारतीय

17. स्वस्थ रहो

1. **प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**

(क) शरीर को एक मशीन इसलिए माना गया है क्योंकि मशीन के कल पुर्जों की तरह शरीर के भी अंग होते हैं।

(ख) शारीरिक श्रम करने से मांसपेशियाँ निष्क्रिय हो जाती हैं।

(ग) हम मांसपेशियों की लचक व्यायाम करके बनाए रख सकते हैं।

(घ) तैरना एक संपूर्ण व्यायाम है। हमें इसे किसी अच्छे प्रशिक्षक के द्‌वारा वैज्ञानिक विधि से बने तरण-ताल में ही सीखना चाहिए।

(च) स्वस्थ रहने के लिए नियमित व्यायाम करना बहुत आवश्यक है। कुछ आदर्श व्यायाम जैसे लंबी दौड़ या सैर, हल्का भारोत्तोलन, योगासन हमारे लिए उपयोगी है।

2. **नीचे लिखे मुहावरों के ठीक अर्थ चुनें और बताएँ :**

अंग-अंग मुस्कुराना	=	अति प्रसन्न होना
अंग-अंग ढीला होना	=	बहुत थक जाना
अंगार उगलना	=	क्रोध में आकर कठोर वचन बोलना
आग से खेलना	=	जोखिम उठाना
आँखें फेर लेना	=	प्रतिकूल होना
हाथ पर हाथ धर कर बैठना	=	चुप बैठ जाना

3. **नीचे लिखे वाक्यों में मोटे टाइप वाले शब्दों के स्थान पर मुहावरे प्रयुक्त कर के पुनः वाक्य लिखिए :**

(क) टीम की विजय की खबर सुन कर सभी का **अंग-अंग मुस्कुरा उठा**।

(ख) अधिक कार्य करने के कारण **मेरा अंग-अंग ढीला हो गया**।

(ग) दिनभर **हाथ पर हाथ धर कर बैठने** से काम नहीं चलेगा, कुछ मेहनत करो।

(घ) हर समय **अंगार उगलना** अच्छी बात नहीं है ।

(च) जो **आग से खेलता है** उसे ही सफलता मिलती है।

(छ) बुरे समय पर मित्र भी **आँखें फेर लेते** हैं।

4. **नीचे दिए गए वाक्यों में प्रयुक्त समुच्चयबोधक शब्दों को रेखांकित कीजिए :**

(क) यह आदर्श व्यायाम है क्योंकि यह जीवन-भर निभाया जा सकता है।

(ख) हमारे शरीर का जो अंग संचालित नहीं होगा वो गतिहीन हो जाएगा।

(ग) इसी प्रकार शरीर-रूपी यंत्र की न केवल सफाई बल्कि व्यायाम आदि की भी आवश्यकता है।

(घ) घंटों व्यायाम करने वाले लोग जब व्यायाम छोड़ देते हैं तब उनकी मांसपेशियाँ लटक जाती हैं।

18. महर्षि दयानंद सरस्वती

1. **प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

(क) स्वामी दयानंद जी के बचपन का नाम मूलशंकर था।

(ख) जब स्वामी जी ने देखा कि शिवमूर्ति पर चढ़े प्रसाद को चूहा उठा कर ले जा रहा है तब इनके बाल मन को बड़ी ठेस पहुँची ।

(ग) स्वामी दयानंद के दोनों गुरुओं के नाम पूर्णानंद सरस्वती, विरजानंद जी था।

(घ) गुरू विरजानंद जी की शर्तें थीं कि अब तक पढ़ी सभी पुस्तकें भूल जाओ। सभी पुस्तकें एक गट्ठर में बाँध कर यमुना में बहा दो। मैं जो भी पढ़ाऊँगा उसे

दुबारा नहीं बोलूँगा तुम्हें एक ही बार में याद करना, लिखना और समझना होगा।

(च) स्वामी दयानंद जी ने समाज को रूढ़ियों का खंडन, हिंदी-संस्कृत का प्रचार आदि दिया है ।

2. **उचित वाक्यांश से वाक्य पूरा कीजिए:**

1. दयानंद जी की यश वृद्धि का कारण था-
   (क) उनका उत्तम आचरण
2. दयानंद जी की मृत्यु का कारण था -
   (घ) विषैले पदार्थ का सेवन

3. **दिए गए शब्दों से उचित शब्द बना कर वाक्य पूरे करें:**

(क) महर्षि दयानंद सरस्वती के **बचपन** का नाम मूलशंकर था।

(ख) उम्र के साथ-साथ स्वामी जी का चिंतन और **गहरा** होता गया।

(ग) अब मैं सच्चे शिव की **खोज** करूँगा।

(घ) अपनी ही रक्षा करने में असमर्थ इस मूर्ति की **पूजा** से क्या लाभ।

4. **ऊपर दिए गए संबंधबोधक शब्दों से उपयुक्त शब्द खाली स्थानों में लिखिए:**

(क) सारे परिवार के **साथ** मूलशंकर ने भी शिवरात्रि का व्रत रखा।

(ख) इन्होंने वज्र के **समान** मजबूत और स्वस्थ शरीर प्राप्त किया।

(ग) अपने **पास** की पुस्तकें गट्ठर में बाँधकर यमुना में बहा दो।

(घ) जो कोई एक बार स्वामी जी के संपर्क में आ गया वो प्रभावित हुए **बिना** नहीं रह सका।

19. पेड़-पौधों से लाभ

1. **प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**

(क) मनुष्य आक्सीजन गैस ग्रहण करते हैं और कार्बन डायऑक्साइड बाहर छोड़ते हैं।

(ख) जीवन की रक्षा के लिए पेड़-पौधों का होना अनिवार्य है। पेड़-पौधे पर्यावरण शुद्ध करते हैं और श्वास के लिए हमें ऑक्सीजन देते हैं। पेड़-पौधों से हमें साग, सब्जी, फल, दवाएँ, छाया, लकड़ी आदि मिलते हैं।

(ग) पेड़-पौधे पत्तियों के माध्यम से साँस लेते हैं ।

2. **यथास्थान उचित विराम-चिह्न लगा कर नीचे दिए गए वाक्य पुनः लिखिए:**

(क) भैया देखो, सामने कितनी भीड़ है।

(ख) यदि आज वर्षा हुई, तो मैं नहीं आ सकूँगा।

(ग) हमारे शिक्षक कठोर अवश्य हैं, लेकिन पढ़ाते अच्छा हैं।

(घ) अहा ! ताजमहल कितना सुंदर है।

(च) क्या दुर्गापुर का कारखाना बहुत बड़ा है?

ज्ञान विकास –

(क) नीम, पीपल, बरगद आदि।

(ख) आलू, मूली, अर्बी, शकरकंदी, जिमीकंद आदि।

(ग) सेब, संतरा, नाशपाती आदि।

(घ) जीवन की रक्षा के लिए पेड़-पौधों का होना अनिवार्य है। पेड़-पौधे पर्यावरण शुद्ध करते हैं और श्वास के लिए हमें ऑक्सीजन देते हैं। पेड़-पौधों से हमें साग, सब्जी, फल, दवाएँ, छाया, लकड़ी आदि मिलते हैं।

20. कश्मीर यात्रा

1. **प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**

(क) इस पाठ में कश्मीर को धरती का स्वर्ग कहा गया है।

(ख) डल झील श्रीनगर में है।

(ग) शालीमार तथा निशात बाग मुगल बादशाह जहाँगीर ने बनवाए थे।

(घ) कश्मीरी व्यापारियों एवं अन्य लोगों को पर्यटकों से बहुत लाभ है क्योंकि अधिक मात्रा में पर्यटकों के आने से ही इनकी रोज़ी रोटी चलती है।

3. **नीचे दिए गए वाक्यों में प्रयुक्त क्रियाविशेषण रिक्त स्थानों में लिखिए:**

(क) आगे (ख) आराम से (ग) अवश्य

(घ) अभी (ङ) इधर-उधर

21. देह-दान

1. **प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**

(क) परोपकार के लिए अपनी अस्थियाँ दधीचि ने दीं।

(ख) महर्षि दधीचि से याचना इंद्र ने की थी।

(ग) वृत्रासुर-वध के लिए दधीचि मुनि की अस्थियाँ इसलिए आवश्यक थीं क्योंकि वृत्रासुर का वध दधीचि मुनि की अस्थियों से ही किया जा सकता था।

(घ) बदला लेने का विचार दधीचि के पुत्र पिप्पलाद के मन में आया।

(ङ) भगवान् शिव ने पिप्पलाद को समझाया और कहा कि एक उदार पिता के पुत्र में ऐसा तुच्छभाव आया कैसे?

2. **ये संवाद किसने कहे? कब कहे?**

(क) इंद्र ने कहे, जब इंद्र ब्राह्मण-वेष में महर्षि दधीचि के आश्रम में पहुँचे।

(ख) दधीचि ने कहे, जब इंद्र उनसे कुछ याचना करने आया।

(ग) ब्रह्मा जी ने कहे, जब इंद्र वृत्रासुर को पराजित नहीं कर सके।

(घ) पिप्पलाद ने कहे, जब उसे सारी घटना पता लगी।

(ङ) शिव जी ने कहे, जब पिप्पलाद ने देवताओं से बदला लेने की ठानी।

3. **रिक्त स्थानों की पूर्ति करें:**

(क) महर्षि दधीचि प्रसिद्ध **तपस्वी** थे।

(ख) उसके शरीर की **अस्थियाँ** माँगने का क्या अर्थ है?

(ग) इंद्रादि देवता ब्राह्मण-वेष में **दधीचि** के आश्रम में पहुँच गए।

(घ) आप भी ऐसे ही उदार **पिता** की संतान हैं।

4. **विशेषण बनाइए:**

		महानता	महान
उपयोग	उपयोगी	प्रसन्नता	प्रसन्न
बलिदान	बलिदानी	ज्ञान	ज्ञान
उदारता	उदार	मतलब	मतलबी

5. **उचित शब्द चुन कर रिक्त स्थानों में लिखें :**

(क) **परोपकार** करना अच्छा होता है, तुम भी **परोपकारी** बनो।

(ख) **प्रसन्नता** बहुमूल्य होती है, **प्रसन्न** रहना सीखो।

(ग) **अभिमान** करना गंदी आदत है, **अभिमानी** का सिर सदैव झुकता है।

(घ) **आलस** मत करो, **आलसी** व्यक्ति तरक्की नहीं कर पाता है।

6. **जोड़े मिला कर मुहावरे बनाएँ:**

(ख) कमर कसना

(ग) नौ दो ग्यारह होना

(घ) जंगल में मंगल करना

22. तिरंगे झंडे का गीत

1. **प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**

(क) तिरंगे को फहरता देख कर मन पुलकित हो जाता है।

(ख) केसरिया रंग शौर्य, त्याग, ज्ञान, भक्ति आदि का प्रतीक है।

(ग) शांति और भाईचारे का संदेश श्वेत रंग से मिलता है।

(घ) कवियत्री ने हरे रंग को हरियाली का प्रतीक माना है।

(ङ) चक्र निरंतर बढ़ते रहने का संदेश देता है।

2. **कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए:**

(क) केसरी रंग कहता कथा शौर्य की ।
त्याग की, ज्ञान की, भक्ति-औदार्य की ।।
युद्ध में जूझते बाँध सिर पर कफन ।

(ख) श्वेत रंग कह रहा शांति ही चाहिए ।
द्वेष को त्याग, आपस में मिल जाइए ।।
देश-बगिया के हम रंग-बिरंगे सुमन ।

3. **शब्दों को शुद्ध करके लिखिए:**

वीभिन्न	विभिन्न	वयवस्था	व्यवस्था
सुँघने	सूँघने	परीसरम	परिश्रम
नीत्य	नित्य	परमपरा	परंपरा
नीतांत	नितांत	सामुहिक	सामूहिक

24. निबंध लेखन

हमारा विद्यालय

मैं एक ——— विद्यालय में पढ़ता हूँ। मेरे विद्यालय का नाम ——— है। मेरे विद्यालय का भवन नया है। इसकी गिनती शहर के प्रसि) विद्यालयों में होती है। यह आधुनिक साधनों से युक्त है। पढ़ाई, खेलकूद तथा अन्य गतिविधियाँ हमारे स्कूल का प्रमुख हिस्सा हैं।

मेरे विद्यालय में लगभग ——— विद्यार्थी हैं। ——— से ज्यादा अध्यापक और अध्यापिकाएं हैं। इनके अतिरिक्त ——— लिपिक और ——— चपरासी भी यहां कार्यरत हैं। अध्यापकगण अनुभवी, विद्वान एवं परिश्रमी हैं।

हमारे प्रधानाचार्य बहुत ही गुणी एवं अनुशासप्रिय व्यक्ति हैं। विद्यार्थियों के साथ उनका व्यवहार बहुत ही मधुर है। समय-समय पर वे विद्यार्थियों को मार्गदर्शन भी देते रहते हैं।

मेरे विद्यालय की इमारत पक्की है। इसमें 25 हवादार कमरे हैं। विद्यालय के एक कमरे में प्रधानाचार्य का कार्यालय भी है जो कि साफ-सुथरा और भलीभांति सजा हुआ है। कक्षाओं में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, सुभाषचंद्र बोस, भगत सिंह आदि स्वतंत्रता सेनानियों के फोटो लगे हुए हैं। इसके अतिरिक्त

एक सभा भवन भी है। शनिवार को बालसभा एवं अन्य उत्सव इसी भवन में होते हैं। इसमें विभिन्न खेलों के लिए बड़ा मैदान है। इसमें एक वाटिका है जिसमे तरह–तरह के फूल लगे हुए हैं।

विद्यालय में एक पुस्तकालय भी है। जहाँ से सभी छात्रों को पुस्तकें पढ़ने के लिए उपलब्ध होती हैं। विद्यालय में प्रायोगिक कक्षाओं के लिए लैब भी बनी हैं। विद्यालय का परीक्षा परिणाम लगभग शत–प्रतिशत रहता है और कई छात्र मेरिट में भी स्थान पाते हैं।

निर्धन छात्रों को प्रतिवर्ष छात्रवृत्ति भी उपलब्ध कराई जाती है। मेधावी छात्रों का प्रतिवर्ष सम्मान भी किया जाता है। बोर्ड की कक्षाओं में गणित और विज्ञान संकाय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल देने की भी परंपरा है। हमारे विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होते हैं। खेलों की ओर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। यहाँ का वातावरण सुखद, शांत है। मुझे अपने इस विद्यालय पर बहुत गर्व है।

विद्‌यालय में स्वतंत्रता दिवस उत्सव

स्वतंत्रता दिवस हमारे देश का राष्ट्रीय दिवस है। यह हर साल 15 अगस्त को सारे देश में बड़े हर्ष और उत्साह से मनाया जाता है। इस दिन सभी स्कूल, सरकारी और निजी कार्यालय बंद रहते है। सभी स्कूलों में एक दिन पहले बड़े उत्साह से इस उत्सव का आयोजन किया जाता है। प्रधानाचार्य, अध्यक्ष, मुख्य अतिथि के आगमन के बाद उनका स्वागत भाषण होता है। तदोपरांत मुख्य अतिथि द्‌वारा ध्वजारोहण करके राष्ट्रीय गान गाया जाता है। स्कूल के बच्चों के द्‌वारा रंगारंग कार्यक्रम जैसे देशभक्ति गीत, नाटक, कविता आदि को रोमांचक तरीके से दिखाया जाता है।

अध्यक्ष द्‌वारा शिक्षकों और बच्चों को पुरस्कार वितरण किया जाता है। अंत में प्रधानाचार्य के द्‌वारा इस समारोह का समापन किया जाता है और यह प्रण लिया जाता है कि हम अपने देश भारत की स्वतंत्रता की मजबूती से रक्षा करेंगे। उसके बाद बच्चों को मिठाई बाँटी जाती है।

25. कहानी लेखन

1. **ङ्कजैसे को तैसाङ्ख विषय पर नीचे दिए गए घटनाक्रम का प्रयोग करते हुए एक कहानी लिखिए:**

   एक सारस और एक लोमड़ी थे। एक दिन लोमड़ी ने सारस को खीर खाने का निमंत्रण दिया। सारस समय से पहुँच गया। लोमड़ी ने खीर बनाकर चौड़ी प्लेट

में परोस दी। सारस परेशान हो गया। एक दिन सारस ने लोमड़ी को निमंत्रण दिया और खीर बनाकर सुराही में परोस दी। लोमड़ी खा न सकी और परेशान हो गयी। जैसे को तैसा करके सारस खुश हो गया।

2. **दिए गए चित्रों और संकेतों का प्रयोग करते हुए कहानी क्रम से लिखिए:**

(1) गर्मी के दिनों में एक कौवे को प्यास लगी।

(2) उसने बहुत पानी खोजा, लेकिन कहीं पानी नहीं मिला।

(3) उड़ते-उड़ते उसने एक बगीचे में पानी का घड़ा देखा।

(4) घड़े में बहुत कम पानी था।

(5) कौए की चोंच पानी तक नहीं पहुँच सकी।

(6) उसने पानी ऊपर लाने के लिए एक उपाय सोचा।

(7) वह अपनी चोंच से कंकड़ उठा-उठा कर घड़े में डालने लगा।

(8) जल्दी ही पानी ऊपर चढ़ आया।

(9) कौए ने प्रसन्नता से पानी पिया और उड़ गया।

26. अपठित गद्यांश

1. **नीचे दिया गया गद्यांश पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

(क) स्वच्छ जल।

(ख) अपार जल सागर में होता है।

(ग) सूर्य की किरणें जल को भाप बना देती हैं।

(घ) भाप से बादल बन जाते हैं।

(ङ) वर्षा का जल पीने योग्य होता है।

2. **नीचे दिया गया गद्यांश पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

(क) हमें हमेशा सत्य इसलिए बोलना चाहिए क्योंकि सत्य बोलना एक अच्छी आदत है।

(ख) सत्य बोलने से हमारा हृदय पवित्र होता है।

(ग) सत्य बोलने से हम आसानी से दूसरों के विश्वासपात्र बन जाते है।

(घ) झूठ बोलने से पोल खुलने का भय बना रहता है ।

(ङ) हमें इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि हम कभी झूठ ना बोलें।